संवाद

अंक 02 : अप्रैल से जून 2023
त्रैमासिक पत्र

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल, राष्ट्रीय महत्व का संस्थान, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

अंतराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

दिनांक 21 जून 2023 को प्रतिवर्ष की भांति योजना एवं वास्तुकला विद्यालय भोपाल परिसर में वे अंतराष्ट्रीय योग दिवस का भव्य आयोजन किया गया | उक्त आयोजन में विवेकानंद योग केंद्र कन्याकुमारी की भोपाल शाखा के प्रशिक्षकों को योग अभ्यास हेतु आमंत्रित किया गया था| कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर संस्थान के कुलसचिव श्री शाजू वर्गीस जी ने सभी का स्वागत किया|

प्रशिक्षकों द्वारा शिविर में योग अभ्यास कराया गया व योग के लाभ और योग के प्रति जागरूकता हेतु व्याख्यान भी दिया गया। संस्थान में कार्यरत समस्त अधिकारी ,कर्मचारियों एवं छात्र छात्राओं ने योग, प्राणायाम आदि का अभ्यास सीखा एवं दैनिक जीवन में योग करने हेतु प्रेरित हुए |

श्री मनीष झोकरकर, सहायक कुलसचिव द्वारा प्रशिक्षकों एवं समस्त योग कर्ताओं को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

कार्यशाला का आयोजन

यूनिसेफ, भोपाल के सहयोग से पर्यावरण योजना विभाग द्वारा संयुक्त रूप से 15 मई 2023 को होटल मैरियट, भोपाल में "ग्राम पंचायतों का जलवायु का विकास: मध्य प्रदेश का एक परिप्रेक्ष्य" विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।
जिसमें पर्यावरण नियोजन विभाग के संकाय और छात्रों ने मध्य प्रदेश के दो जिलों अलीराजपुर और छतरपुर पर काम किया था। अलीराजपुर के केस अध्ययन में नदी के किनारों से मिट्टी के कटाव को रोकने के लिए उपयुक्त रणनीतियों की पहचान की गई।

शहरों में आपदा, रेज्यिलेंट और जलवायु परिवर्तन पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

पर्यावरण योजना विभाग, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्था) (एनआईडीएम) नई दिल्ली और एनआईटीटीटीआर भोपाल द्वारा संयुक्त रूप से एनआईटीटीटीआर, भोपाल परिसर में 17 से 19 अप्रैल 2023 को "शहरों में आपदा, रेज्यिलेंट और जलवायु परिवर्तन :एसडीजी का स्थानीयकरण" पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण सह संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यशाला का शुभारम्भ पर्यावरण एवं पशुपालन मंत्रालय के प्रधान सचिव गुलशन बामरा और एनआईडीएम के डॉ .अनिल गुप्ता ने किया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पर्यावरण विशेषज्ञों ने आपदा और जलवायु रेज्यिलेंट के सभी पहलुओं के बारे में विस्तार से बताया। इस प्रशिक्षण कार्यशाला में देशभर के विभिन्न विभागों से लगभग 53 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस कार्यशाला का संयोजन एसपीए भोपाल की विभागाध्यक्ष (पर्यावरण नियोजन) डॉ .रमा पांडे ने किया।

प्रशिक्षण एवं प्रस्थापना प्रकोष्ठ के द्वारा सेमिनार का आयोजन

दिनांक 21 अप्रैल, 2023 को "फ्रांस में उच्च शिक्षा, इंटर्नशिप और छात्रवृत्ति के अवसर" पर सेमिनार का आयोजन किया। जिसमें अंतिम वर्ष के लगभग 70 विद्यार्थी उपस्थित थे, यह विशेष व्याख्यान दिव्या सक्सेना (भारत में फ्रांस के दूतावास के कैंपस फ्रांस मैनेजर-इंदौर/भोपाल) द्वारा लिया गया|

विशेष व्याख्यान का आयोजन

सहायक प्राध्यापक गौरव सिंह (वास्तुकला विभाग) और वास्तुविद सुश्री गरिमा सिंघल (वास्तुकला विभाग) द्वारा प्रशिक्षण और नियुक्ति प्रकोष्ठ के समन्वय के साथ दिनांक 1 मई 2023 को एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया, जिसमें अंतिम वर्ष के लगभग 70 विद्यार्थी उपस्थित थे, यह विशेष व्याख्यान शिवम गुप्ता, डिज़ाइन लीड (डेटा सेंटर), अदानी कॉनेक्स, द्वारा दिया गया| व्याख्यान मे छात्रों को वास्तुकला मे नौकरी की अवसर पर कुछ महत्वपूर्ण सुझाव दिए, यह सुझाव निश्चित ही छात्रों के आने वाले साक्षात्कार/जीवन यात्रा में उन्हें लाभ पहुंचाएंगे।

इस त्रैमासिक अवधि मे कई वैश्विक ख्याति वाली कंपनियों/फर्मों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। जिनमे लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड, टाटा कंसल्टेंसी इंजीनियरिंग लिमिटेड, इंफोसिस वोंगडूडी, अर्नेस्ट एंड यंग ग्लोबल लिमिटेड, एशियन पेंट्स लिमिटेड, जेएलएल इंडिया और कई नामी कंपनियां शामिल हैं| इस अवधि में प्रशिक्षण और नियुक्ति प्रकोष्ठ के द्वारा 20 कंपनियां साक्षात्कार लिए गए, जिसमें लगभग 100 छात्र /छात्राओं ने भागीदारी की जिसमें से 50 चयनित हुए|

एस.पी.ए. भोपाल के छात्रों ने जीता बर्कले निबंध प्रतियोगिता का खिताब

एस.पी.ए. भोपाल के छात्रों ने बर्कले निबंध पुरस्कार 2023 में भाग लिया, जो यूसी बर्कले में वास्तुकला विभाग द्वारा आयोजित एक प्रतियोगिता है। संस्थान के छात्र 2023 की 24 सेमीफाइनलिस्ट टीमों में से दो में शामिल थे। राशि कारकून (चतुर्थ वर्ष, वास्तुकला) और उपासना पाटगिरी (अंतिम वर्ष, योजना): ने सबकी मंडी: बुजुर्गों के लिए एक समावेशी सार्वजनिक स्थान के रूप में भारत के बाजारों को बढ़ाना, निबंध प्रतियोगिता में दूसरा स्थान हासिल किया। सावी नाटेकर (अंतिम वर्ष, आर्किटेक्चर) ने अज़ीज़ा चाओनी प्रोजेक्ट्स, फ़ेस, मोरक्को के साथ लैम अलिफ़ मीडिया लाइब्रेरी प्रोजेक्ट पर एक स्वयंसेवक के रूप में काम करने के लिए ट्रैवल फ़ेलोशिप हासिल की।

एस.पी.ए. भोपाल के छात्रों ने जीता उत्तम आर्किटेक्ट अवार्ड्स, 2023

मंगलम सीमेंट्स, उत्तम आर्किटेक्ट अवार्ड्स, 2023 के द्वारा आयोजित एक प्रतियोगिता में 5 छात्रों की एक टीम ने एस.पी.ए. भोपाल का प्रतिनिधित्व किया। उक्त टीम ने 32 प्रतिस्पर्धी कॉलेजों के बीच "प्रथम पुरस्कार" हासिल किया और 2 कठिन राउंड के मूल्यांकन के बाद सर्वश्रेष्ठ सामाजिक और लागत प्रभावी डिजाइन के लिए भी चुना गया है। इस प्रतियोगिता में एसपीए भोपाल का प्रतिनिधित्व करना और ऐसे प्रतिष्ठित जूरी सदस्यों के सामने डिजाइन प्रस्तुत करना टीम के लिए सम्मान की बात थी। टीम को प्रथम स्थान प्राप्त करने पर एक लाख रुपये की पुरस्कार राशि से सम्मानित किया गया और सर्वश्रेष्ठ सामाजिक और लागत प्रभावी डिजाइन के लिए अतिरिक्त 10,000 रुपये भी प्रदान किये गए। जूरी ने टीम के उत्साह, प्रतिस्पर्धी भावना, समर्पण और कड़ी मेहनत की सराहना की जो उनके डिजाइन में दिखाई दी और उसी के लिए एक ट्रॉफी प्रदान की।

टीम के सदस्य थे : 1. अंश आनंद मिश्रा (टीम कप्तान) (तृतीय वर्ष) 2. ऊर्जाशी बोस (तृतीय वर्ष) 3. शुभांगी शर्मा (द्वितीय वर्ष)4. शुभि मित्तल (द्वितीय वर्ष) 5. सान्या मल्होत्रा (द्वितीय वर्ष)

टीम मेंटर: सौरभ पोपली, सह प्राध्यापक थे।

केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा आयोजित 5 दिवसीय कार्यशाला में सहभागिता

श्री धीरेंद्र कुमार पधान, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष एवं हिंदी प्रभारी अधिकारी, एसपीए भोपाल ने 5-9 जून, 2023 के दौरान केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा आयोजित 5 दिवसीय कार्यशाला "उच्च स्तरीय अनुवाद प्रशिक्षण" में भाग लिया।

डिज़ाइन विभाग में कार्यशाला का आयोजन

दिनांक 08 मई 2023 को डिज़ाइन विभाग द्वारा Mdes 402 (प्रदर्शनी डिज़ाइन और पोर्टफोलियो) में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग अंतिम वर्ष के 25 छात्र उपस्थित रहे| जिसमें विशेष व्याख्यान सुश्री अल्पा जैन द्वारा दिया गया था। उन्होंने सोशल मीडिया प्रोफाइल, स्टार्ट अप के मुख्य क्षेत्रों और सॉफ्टवेयर उद्योगों की ब्रांडिंग के लिए कुछ महत्वपूर्ण सुझाव दिए| जो की निश्चित रूप से छात्रों को उनके आगामी साक्षात्कार/जीवन यात्रा में लाभान्वित करेंगे।

विश्व पर्यावरण दिवस

दिनांक 05 जून 2023 को एस.पी. ए. भोपाल में विश्व पर्यावरण दिवस पर, साइकिल रैली का आयोजन फिटनेस, सामुदायिक जुड़ाव और पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया। यह रैली सभी उम्र के लोगों के लिये आयोजित की गई थी संस्थान के स्टाफ ने इस रैली में उत्साह के साथ भाग लिया |

सेंट्रल रीजन अर्बन ट्रांसपोर्ट द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में एस.पी. ए. भोपाल के छात्रों का दूसरा स्थान

सेंट्रल रीजन अर्बन ट्रांसपोर्ट द्वारा एक प्रतियोगिता आयोजित की गई थी जिसमें बस क्यू शेल्टर (बीक्यूएस) और बस के पोल का डिजाइन करना था, जिसका निर्माण ओडिशा के विभिन्न शहरों में किया जाएगा। यह प्रतियोगिता वास्तुकला, शहरी नियोजन, परिवहन योजना और अन्य संबंधित क्षेत्रों के सभी पेशेवरों के लिए खुली थी।एस.पी.ए. भोपाल के छात्रों की एक टीम जिसमें (काजल राणा, बी आर्क. तृतीय वर्ष, ऋचा मरकाम, बी आर्क. तृतीय, वर्ष सुषमा रानी, बी आर्क. तृतीय वर्ष) ने इस प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया जिसमें टीम को 7000 रुपये की राशि पुरस्कार स्वरूप प्राप्त हुई|

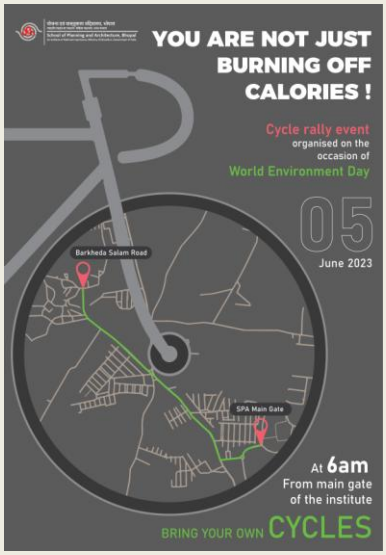

भारतीय ज्ञान संपोषण केंद्र (सी-आईकेएस-टीपी) का उद्घाटन एवं उसके अंतर्गत व्याख्यान माला का प्रथम आयोजन

भारतीय ज्ञान संपोषण केंद्र (सी-आईकेएस-टीपी) के अनावरण अवसर पर 10 अप्रैल को एस. पी. ए. भोपाल में 'प्राचीन भारत में नगर योजना - एक पुरातात्विक दृष्टिकोण' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर के विशिष्ट अभिभाषक प्रोफेसर श्री वसंत शिंदे थे, जो दक्षिण एशिया के समुद्रयान और प्राकृतिक इतिहास में परियोजना प्रमुख हैं। वह राखीगढ़ी अनुसंधान परियोजना में आर्कियोजेनेटिक अनुसंधान और सांस्कृतिक संसाधन प्रबंधन के निदेशक के पद पर नियुक्त हैं और साथ ही, वे हैदराबाद में सीएसआईआर-केंद्रीय सेलुलर और आणविक जीवन विज्ञान के भटनागर फेलो के रूप में सेवारत हैं। प्रोफेसर शिंदे ने व्याख्यान के अन्तर्गत हड़प्पा और सिंधु घाटी सभ्यताओं के विभिन्न योजना एवं वास्तुकला तकनीकों पर विस्तृत चर्चा की एवं प्राचीन निर्माण शैली, निवास स्थानों, पेयजल प्रणाली, जल निकास व्यवस्था, और सार्वजनिक संरचनाओं की स्थापना पर प्रकाश डाला। साथ ही, उन्होंने सभ्यता के विभिन्न चरणों और उनके शासन और व्यापार व्यवस्था का उल्लेख किया। उनकी प्रस्तुति का समर्थन करने के लिए प्रोफेसर शिंदे ने लोथल, धोलावीरा, राखीगढ़ी, और मोहनजोदड़ो जैसे कई प्राचीन स्थलों की छवियों और दस्तावेज़ों का विवरण भी प्रस्तुत किया। सी-आईकेएस-टीपी के प्रथम व्याख्यान में योजना और वास्तुकला संभाग के विभिन्न छात्र एवं अध्यापक सम्मलित हुए, जिनके लिए यह एक अनमोल अनुभव साबित हुआ जिसके द्वारा उनको भारत की प्राचीन सभ्यता एवं नगर योजना शैलियों की महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध हुई।

मीडिया कवरेज

दैनिक भास्कर भोपाल 19-04-2023

भोपाल, बुधवार, 19 अप्रैल 2023

एसपीए की पहल • भोपाल के सुनियोजित विकास पर बनाई योजना

स्टूडेंट्स ने बनाया 'पात्रा नदी मॉडल'

YOUTH INITIATIVE

शिवाशीष तिवारी। हाल ही में प्रधानमंत्री ने 49 यूनिवर्सिटीज से एमओयू साइन करके यंगस्टर्स को जल संरक्षण और नदियों का कायाकल्प कैंपेन से जोड़ने का प्रयास किया है। एक ऐसी ही पहल भोपाल शहरीकरण को लेकर स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए) के स्टूडेंट्स ने की है। लैंडस्केप डिपार्टमेंट के 2021-23 बैच के 19 स्टूडेंट्स ने 'पात्रा नदी शहरीकरण योजना' बनाई है। यह मॉडल रिटायर्ड आईएफएस मनोज मिश्रा, डिपार्टमेंट हेड रमा पांडे और एसोसिएट प्रोफेसर सौरभ पोपली के नेतृत्व में बना है।

मॉडल की खासियत

स्टूडेंट्स ने भोपाल से सटे अरहेड़ी गांव की 110 एकड़ जमीन को चुना, जो पात्रा नदी के पास का इलाका है। यह क्षेत्र अभी तक विकसित नहीं हुआ है। भोपाल डेवलपमेंट प्लान 2031 वॉल्यूम-2 के अनुसार भोपाल की प्लांड एरिया की जनसंख्या 36 लाख होने का अनुमान है। इसके चलते व्यवस्थित शहरीकरण का अपना एक महत्व रहेगा। मॉडल के बारे में बताते हुए एसपीए की स्टूडेंट सौम्या तिवारी ने कहा कि मॉडल का उपयोग नदी से जुड़ी विकास योजना के लिए किया जा सकता है। इससे खत्म होती नदियों को पुनः जीवित किया जा सकेगा। क्योंकि मॉडल में पानी को इकट्ठा करने के लिए वॉटर हार्वेस्टिंग सहित अन्य टेक्नोलॉजी का प्रयोग किया गया है। शहरीकरण में नालों को पक्का और सकरा बनाया जाता है, जिससे पानी जमीन में नहीं जाता। इससे नदी का इको सिस्टम नहीं बन पाता और नदी सूखने लगती है।

यह मॉडल सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स 2030 को नजर में रखते हुए बनाया गया है। 100 से 150 पॉपुलेशन डेंसिटी के लिए तैयार किए गए इस मॉडल की भविष्य में उपयोगिता बनाए रखने के लिए इसमें मनोरंजन, आवासीय व्यवस्था, स्कूल और हॉस्पिटल सहित अन्य सुविधाओं का समावेशन किया गया है। इससे बेहतर तरीके से शहरीकरण हो पाएगा और नदियां जीवित रह पाएंगी। इसमें क्लाइमेट चेंज और शहरीकरण के कारण बढ़ते तापमान, शहरों में लुप्त होती प्रकृति और खत्म होती जैव विविधता जैसी समस्याओं को दूर करने का प्रयास किया गया है। सौरभ पोपली, एसोसिएट प्रोफेसर, एसपीए

THE TIMES OF INDIA, BHOPAL WEDNESDAY, APRIL 19, 2023

TIMES CITY

Focus on local communities & civil societies at world heritage meet

UNESCO Sub-Regional Conference Issues Bhopal Vision Statement

Times News Network

Bhopal: 'The Bhopal Vision Statement' that emerged from the UNESCO Sub-Regional Conference emphasizes the role and active participation of local communities and civil society in World Heritage conservation. The de-

World Heritage Day

A heritage walk was organized on Tuesday morning for the delegates attending the UNESCO Sub-Regional Conference

legates at the conference said the statement will be a vehicle for innovation and best practices in heritage conservation around the world, including the South Asian region. The two-day sub-regional conference concluded with a pledge to increase mutual coordination and cooperation for the conservation and development of cultural and natural heritage.

The statement as well as the impact of climate change on heritage, important views and suggestions of representatives of South Asian countries have been included on important topics like incorporating traditional knowledge into modern practices. In this, sustainable and sustainable development has been described as possible only through strong relations between people and heritage.

During the conference, in the thematic sessions, representatives of countries and organizations deliberated on the impact of climate change on heritage, development through new technology and cultural conservation. In the session on the theme "World Heritage and Cultural Landscape", Sanjeev Shankar and December Khongsdam from Meghalaya spoke on "Living Root Bridge Cultural Landscape Community and Science-Based Approach for Nurturing Sustainability", OP Mishra and Dr Vishakha Kavthekar on "The Relic Landscapes in India's World Heritage Sites: The Journey from Sustainability to Responsibility" and Mr Jhanvij Sharma on "Project Mausam Maritime Cultural Landscape." In the session on "Historic Cities and Story Carbon Landscape", Nishant Upadhyay, Ran Ippich and Junhi Han on "UNESCO Historic Urban Landscape Pilot Project on Gwalior and Orchha", Ashish Trambedia on "Historic City Ahmedabad the City of Heritage and Sustainable

दैनिक जागरण, भोपाल 19. APR. 2023

एंकर स्टोरी — 6 देशों एवं यूनेस्को के प्रतिनिधियों ने तैयार किया डॉक्यूमेंट, फाइनल ड्राफ्ट को यूनेस्को देगा मंजूरी

मंथन से निकला अमृतरूपी 'द भोपाल विजन स्टेटमेंट', साउथ एशियायी देशों की संस्कृति संरक्षण के लिए बनेगा मॉडल

दैनिक भास्कर भोपाल 19-04-2023

हेरिटेज पर भी पड़ रहा क्लाइमेट चेंज का असर, सब कुछ हो रहा प्रभावित : पंडित

यूनेस्को सब रीजनल कॉन्फ्रेंस

सिटी रिपोर्टर . भोपाल

क्लाइमेट चेंज का असर हेरिटेज बिल्डिंग्स के साथ नेचुरल और अन्य तरह के हेरिटेज पर भी पड़ रहा है। इसके लिए मालदीव में केस स्टडी भी की गई है। यह बात कोरल स्टोन कंजर्वेशन एक्सपर्ट मुनीस पंडित ने मंगलवार को कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में यूनेस्को की सब रीजनल कॉन्फ्रेंस के आखिरी दिन कही। एसपीए की डॉ. विशाखा कवठेकर ने प्राचीन जल संरचनाओं के बारे में जानकारी दी।

हेरिटेज इंपैक्ट असेसमेंट पर फोकस

हिस्टोरिकल अर्बन लैंड एप्रोच ग्वालियर और ओरछा में शुरू की गई है। इसके बारे में आर्किटेक्ट निशांत उपाध्याय ने बताया कि इसमें हम यह नहीं कहते कि शहर में डेवलपमेंट वर्क रोक दिए जाएं। शहर बढ़ाओ, लेकिन उससे यहां का सांस्कृतिक महत्व कम नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हेरिटेज इंपैक्ट असेसमेंट पर फोकस करना बहुत जरूरी है। ग्वालियर और ओरछा शहर के प्रोजेक्ट पर यूनेस्को नई दिल्ली की चीफ ऑफ कल्चलर जूनही हान और निशांत उपाध्याय ने प्रजेंटेशन दिया। कॉन्फ्रेंस में आए डेलिगेट्स को सिकंदर मलिक ने हेरिटेज वॉक कराई। कमला पार्क से शुरू होकर वॉक सदर मंजिल में खत्म हुई।

नईदुनिया — राजधानी — भोपाल, 19 अप्रैल 2023 — 12

'द भोपाल विजन स्टेटमेंट' से विश्व धरोहर संरक्षण को मिलेगा नया आयाम

● यूनेस्को सब-रीजनल कॉन्फ्रेंस का समापन ● प्रमुख सचिव ने प्रतिनिधियों का जताया आभार

City भास्कर

भोपाल, गुरुवार, 13 अप्रैल 2023 — 2

ज्ञान की खोज • 4 संस्कृत साहित्यों को एक्सप्लोर कर करिकुलम का हिस्सा बनाएंगे और भविष्य के आर्किटेक्ट को पढ़ाएंगे प्रोफेसर्स

एसपीए में बना सेंटर फॉर इंडियन नॉलेज सिस्टम्स इन टाउन प्लानिंग

फॉर फ्यूचर टाउन प्लानर्स

सिटी रिपोर्टर . भोपाल

स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए) भोपाल में सेंटर फॉर इंडियन नॉलेज सिस्टम्स (आईकेएस) इन टाउन प्लानिंग की शुरुआत हुई है। यह सेंटर मिनिस्ट्री ऑफ एजुकेशन के ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन (एआईसीटीई) आईकेएस डिवीजन नई दिल्ली की ओर से फंडिड है। इस सेंटर में एसपीए के एक्सपर्ट्स देशभर के आर्कियोलॉजिस्ट, लैंग्वेज एक्सपर्ट और आर्किटेक्ट्स के साथ मिलकर भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित नॉलेज को एक्सप्लोर कर बच्चों तक पहुंचाएंगे।

यह कोर टीम करेगी इंडियन नॉलेज सिस्टम पर काम

एसपीए में सेंटर ऑफ इंडियन नॉलेज सिस्टम्स इन टाउन प्लानिंग के तहत काम करने के लिए प्रोफेसर्स की एक कोर टीम बनाई गई है। इसमें प्रोजेक्ट इनवेस्टिगेटर हैं डॉ. क्षमा पुणताम्बेकर। इनकी टीम में को-इनवेस्टिगेटर के तौर पर डॉ. विशाखा कवथेकर, डॉ. मयंक दुबे, डॉ. शानु शर्मा शामिल हैं।

संस्कृत किताबें संचित कर ज्ञान को बाहर निकालेंगे

प्रोफेसर डॉ. क्षमा पुणताम्बेकर ने बताया- सेंटर के तहत हमने 4 संस्कृत साहित्यों को सिलेक्ट किया है, जिनके छिपे नॉलेज को हम एक्सप्लोर कर ऐसे चेप्टर्स तैयार करेंगे, जिन्हें बाद में एसपीए के स्टूडेंट्स को सिलेबस का हिस्सा बनाकर पढ़ाया जा सके। अब तक जो किताबें निकाली गई हैं, उनमें हम हमारे शहरों को बसाने, बांध बनाने, नदियों को संरक्षित करने, इकोनॉमी को आगे बढ़ाने से जुड़े जो नियम और पैमाने इस्तेमाल किए जाते थे, उन्हें एक्सप्लोर करके बच्चों को बताएंगे।

इन किताबों पर आधारित होगी पढ़ाई

- **मयमतम्**- इंद्रप्रथ को बनाने वाले ऋषि मय के प्रिंसिपल्स पर यह किताब है। इसमें डिस्क्रिप्शन ऑफ सिटी प्लानिंग एंड आर्किटेक्ट पर फोकस किया गया है।
- **मनसारा** - इसका मतलब है एसेंस ऑफ मेजरमेंट। यह किताब इंडियन वास्तु शास्त्र और आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग पर आधारित है।
- **सम्रांगण सूत्रधार**- राजा भोज द्वारा 11वीं शताब्दी में लिखी यह किताब नगर संरचना, वास्तुशास्त्र, मंदिर निर्माण, विमान निर्माण और बांधों के निर्माण के बारे में बताती है।
- **कौटिल्य अर्थशास्त्र**- 600 बीसी में चाणक्य द्वारा लिखा यह साहित्य गवर्ननेंस, इकोनॉमी ऑफ द प्लेस, टैक्सेशन के बारे में बताता है।